1- व्यक्तिगत जानकारी

नाम - शफी मोहम्मद शेख

पता - 7A संचार नगर एक्सटेंशन कनाडिया रोड इन्दौर 452-016 (म.प्र.)

मोबाईल नम्बर - 94250 32121

सेवा क्षेत्र - पूर्ण कालीन सामाजिक कार्यकर्ता

उम्र - 66 वर्ष

समाज सेवा का अनुभव - 40 वर्ष

2- जीवन परिचय:-

दिनांक 28 -11- 1958 को इंदौर में कपड़ा मिलों के कारण पहचान वाले, मिल क्षेत्र स्थित परदेशीपुरा में एक साधारण मजदूर परिवार में मेरा जन्म हुआ। मुझे समाज सेवा की प्रेरणा, जन्मजात अपने पिता स्वर्गीय जुम्मा भाई से प्राप्त हुई।

मैंने एमकॉम, एल एल बी, बीजेएमसी तक शिक्षा हासिल की है एवं भारतीय डाक विभाग में गौरवमयी, सेवा करके सन 2018 में सेवानिवृत्ति प्राप्त की। मेरे परिवार में पत्नी श्रीमती मुमताज शेख, पुत्र सादिक शेख एवं दो बेटियां परवीन शेख तथा फरहीन शेख है, जो दोनों ही अजमेर में शादी के बाद शासकीय सेवा में कार्यरत है।

3- सामाजिक जीवन:-

अपने पिता से प्राप्त संस्कारों के परिणाम स्वरुप, मेरा लालन-पालन,समाज सेवा के वातावरण में ही हुआ तथा सरकारी नौकरी में रहते हुए भी मेने समाज सेवा के कार्यों को अपने जीवन में अपनायें रखा। सन 2018 में सेवानिवृत्ति के पश्चात से में, पूर्णकालिक समाजसेवी के रूप में कार्यरत हूं।

4- समाज सेवा का कार्य क्षेत्र:-

वृद्धजन सेवा आश्रम से औपचारिक रूप से शुरुआत के पश्चात वर्ष 1989 में हुए सांप्रदायिक दंगों ,जिसमें करीब 40 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, दंगों के पश्चात सर्वधर्म सद्भाव ,नशा मुक्ति, दहेज तथा महंगी शादियों के खिलाफ जन जागरूकता ,दृष्टि बाधितों के बीच कार्य, सहकारिता तथा ट्रेड यूनियन के माध्यम से कर्मचारी साथियों का सहयोग जैसे कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

वर्तमान में, में अभ्यास मंडल का सहसचिव ,नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड का उपाध्यक्ष, यूनिवर्सल पीस एंड सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी का सचिव, नशा मुक्ति अभियान का प्रमुख सूत्रधार एवं गोयल चैरिटेबल एसोसिएशन का मार्गदर्शक जैसे एवं अन्य बहुत से सामाजिक क्षेत्रो में पूर्ण रूप से सक्रीय हूं।

5- परिवार का सहयोग एवं नजरिया:-

समाज सेवा करने में जो आत्म शांति और सुकून मिलता है यह व्यक्तिगत बात है,किंतु बगैर परिवार के सहयोग के समाज सेवा असंभव जैसा कार्य है| मेरे परिवार की संपूर्ण जिम्मेदारी पत्नी ने संभालते हुए बच्चों की शिक्षा, बीमारी से लगाकर घर परिवार के समस्त कार्य यहां तक की आर्थिक जिम्मेदारी तक सम्हालते हुए, सहयोग दिया।

मेरी पत्नि ने एक आदर्श स्थापित करते हुए अपने वृद्ध सास - ससुर की जी जान लगाकर सेवा की है, जिसके कारण बेफिक्र होकर मुझे समाज सेवा का कार्य करने का अवसर मिला। सुबह 8-9 बजे से रात 10:00 बजे तक घर के बाहर निश्चित होकर में समाज सेवा में संलग्न हूं ।

6- अच्छे-बुरे अनुभव:-

सामाजिक कार्यों के कारण, शहर एवं बाहर के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं से मिला अपनापन एवं प्यार के कारण बहुत प्रेरणा मिलती रही । स्व एस एन सुब्बाराव, असगर अली इंजीनियर, आनंद मोहन माथुर ,होमी दाजी, डॉ सरोज कुमार ,जस्टिस फखरुद्दीन, मुकुंद कुलकर्णी, डॉ देवी प्रसाद मौर्य जैसे अनेक महापुरुषों का बहुत प्यार मिला ।

एक बार एक जज साहब द्वारा अपने हाथों से खिलाया गया खाना तथा विभिन्न धर्मो के मुख्य एवं प्रमुख लोगों के साथ बहुत नजदीक से रहने का अवसर मिला ,जिसके कारण बहुत कुछ सीखने को भी मिला, । यह सौभाग्य की बात रही।

अनेक कटु अनुभव भी रहे, एक बार साम्प्रदायिक दंगों के दौरान खजराना क्षेत्र में शांति के लिए प्रयास कर रहे, विभिन्न धर्मो के साथियों के साथ शांति की प्रयासों के दौरान बंदूकधारी 30-35 पुलिस कर्मियों के गुस्से एवं नाराजगी का भी सामना करना पड़ा ,जिसकी याद आने पर आज भी विचलित हो जाता हूं।

7 - समाज के लिए संदेश:-

बचपन से ही शहर एवं समाज से, सब कुछ प्राप्त कर लिया है। शासकीय स्कूलों व कॉलेज में निशुल्क शिक्षा प्राप्त की बगैर रिश्वतखोरी और बगैर किसी सिफारिश के केंद्र सरकार की नौकरी मिली। डाक विभाग से सेवानिवृत होने के पश्चात समाज से लिए गए ऋण एवं उपकार को पुनः समाज की नई पीढ़ी को लौटाना अपना धर्म एवं नैतिक दायित्व समझता हू, जिससे अन्य लोगों विशेष कर युवाओं को भी प्रेरणा मिल सके।

8- समाज सेवियों के लिए संदेश:-

समाज सेवा का क्षेत्र निश्चित ही परेशानियों और कठिनाइयों से भरा होता है, आर्थिक अभाव तथा अनेक बार अपमानित भी होना पड़ता है, पारिवारिक परेशानियों के बावजूद भी, बगैर हौसला खोए एक संत के समान, लोगों की पीड़ा को बांटने का हौसला रखें, तनाव एवं परेशानियों के बीच गांधी जी के विचारों को सदैव मन में रखें कि **" <u>वैष्णव जन तो तेने कहिए, जो पीड़ पराई जाने रे</u> "** इससे बहुत आत्मविश्वास और संतोष मिलता है।